R.N.I. No. 51097/90 DN/XXX/2024-2026 Post AD No.8

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

"Indian Railways: The lifeline of the nation, connecting hearts and horizons, one journey at a time."



"Traversing the vast landscapes, Indian Railways is not just a mode of transport but an experience of India's heritage."

वर्ष-34 अंक-10 प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो 16-31 मई 2024 पृष्ठ 08 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

भारतीय रेलवेः आधुनिक सेवाओं के साथ सभी वर्गों को किफायती परिवहन की सुविधा।

भारतीय रेलवे विभिन्न प्रकार की सेवाओं जैसे छोटी दूरी, लंबी दूरी, आरक्षित, अनारक्षित आदि का संचालन करके आबादी के सभी वर्गों को किफायती परिवहन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।



सूत्र/रे.स.ब्यू- वंदे भारत ट्रेनों की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 31 मार्च, 2024 तक 2 करोड़ 15 लाख से अधिक लोग इससे यात्रा कर चुके हैं। 07 मई 2024 को वंदे भारत ट्रेनों की ऑक्यूपेंसी 98% थी। वित्त वर्ष 20 24-25 में 7 मई तक औसत ऑक्यूपेंसी 103% होने के साथ वंदे भारत ट्रेन सेवाओं को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान वंदे भारत ट्रेनों की कुल ऑक्यूपेंसी 96% से अधिक रही। वंदे भारत एक्सप्रेस लोगों को हवाई यात्रा जैसा अनुभव प्रदान कर रही है। यही वजह है कि लोग वंदे भारत एक्सप्रेस से यात्रा करना पसंद करते हैं। एक तरह से वंदे भारत एक्सप्रेस विकास, आधुनिकता, स्थिरता और आत्मनिर्भरता का पर्याय बन गई है। देश भर के कुल 284 जिले वंदे भारत एक्सप्रेस की सेवा से जुड़ चुके हैं। भविष्य में यह संख्या बढ़ती रहेगी। रेलवे नेटवर्क के 100 रूटों पर कुल 102 वंदे भारत ट्रेनें सेवाएं दे रही हैं। वंदे भारत ट्रेनों ने एक साल में पृथ्वी के 310 चक्कर लगाने के बराबर दूरी तय की। वित्तीय वर्ष 2023-24 में वंदे भारत ट्रेनों द्वारा तय की गई दूरी, यानी अप-डाउन मूवमेंट की मात्रा, पृथ्वी का लगभग 310 चक्कर लगाने के बराबर है। रेल यात्रियों के बीच वंदे भारत की लोकप्रियता को देखते हुए अब वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें भी शुरू करने की तैयारी चल रही है। इसके लिए काफी तेजी से काम चल रहा है। वंदे भारत को खास बनाने वाली खूबियां: वंदे भारत एक्सप्रेस के सभी कोच में ऑटोमेटिक दरवाजे, जीपी- एस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, वाई-फाई सेवा और आरामदायक सीटें लगी हैं। एग्जीक्यूटिव कोच में 180 डिग्री घूमने वाली सीटों की अतिरिक्त सुविधा है। सभी कोच में गर्म खाना और कोल्ड ड्रिंक्स परोसने के लिए पैंट्री की सुविधा दी गई है। इसके अलावा, स्पीड, सुरक्षा और आराम इस ट्रेन की पहचान हैं। कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए वंदे भारत ट्रेन में रीजेनरेटिव ब्रेक सिस्टम लगाया गया है। वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच साउंड प्रूफ हैं। इसके अलावा वंदे भारत एक्सप्रेस के नए डिजाइन में हवा को शुद्ध करने के लिए रूफ माउंटेड पैकेज यूनिट (आरएमपीयू) में फोटो-कैटेलिटिक अल्ट्रावॉयलेट एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम लगाया गया है।

वंदे भारत एक्सप्रेस लोकप्रिय ट्रेन के रूप में उभरी है, वर्तमान में, देश भर में वंदे भारत ट्रेनों की 102 सेवाएँ संचालित की जाती हैं।

सीटीआरएएम द्वारा नई दिल्ली में 24 वें नेशनल रेल ट्रांसपोर्ट सेमीनार का आयोजन।

''रेल शेयर बढ़ाने के प्रयासों में ग्राहक को मूलभूत बनाना महत्वपूर्ण'' विषय पर चर्चा।



सूत्र/उत्तर रेलवे- CTRAM (सीटी-आरएएम) द्वारा नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन, चाणक्यपुरी में 24 वें नेशनल रेल ट्रांसपोर्ट सेमीनार का आयोजन किया गया। ''रेल शेयर बढ़ाने के प्रयासों में ग्राहक को मूलभूत बनाना महत्वपूर्ण है, जिससे उनकी आवश्यकताओं, पसंदों और परेशानियों को समझा जा सके, जो अधिक सतत और उपयोगकर्ता केंद्रित समाधानों को प्रेरित करेगा'' आदि विषय पर विस्तृत चर्चा की गई तथा इसके महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया।

सेमीनार की अध्यक्षता श्रीमती सीमा कुमार, सदस्य (परिचालन एव व्यवसाय विकास), रेलवे बोर्ड ने की। सेमीनार में संगठन से जुड़े समस्त क्षेत्रीय रेलों एवं रेलवे बोर्ड के उच्च अधिकारियों ने भी भाग लिया।



सेमिनार के दूसरे भाग में श्रीमती जया वर्मा सिन्हा, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड ने अपने संबोधन में अपने विचारों से उपस्थित सदस्यों के साथ अपने अनुभव साझा किए।



Smt. Jaya Varma Sinha, CRB and CEO of Railway Board, Spearheads Inspection Drive of Kavach Technology in Vande Bharat Train.



Source/NR- Smt. Jaya Varma Sinha, the esteemed Chairperson & CEO of the Railway Board, spearheaded an insightful inspection of the Kavach Technology implementation on the Vande Bharat Train, traversing the Palwal-Mathura Section on May 14, 2024. The comprehensive review showcased her commitment in ensuring passenger safety and technological advancement within the Indian Railways system. The Kavach Technology, designed to enhance security measures, was meticulously examined under her guidance, emphasizing the Board's dedication to modernizing rail infrastructure. This endeavor marks another significant step towards reinforcing safety protocols and elevating the travel experience for all passengers aboard the Vande Bharat Train.

DIRECTOR GENERAL (SAFETY) RAILWAY BOARD INSPECTED ESPLANADE TO HOWRAH MAIDAN STRETCH OF GREEN LINE AND ESPLANADE TO MAHANAYAK UTTAM KUMAR STRETCH OF BLUE LINE



Source/Metro Rail Kolkata- On 09.05.2024, Shri Braj Mohan Agrawal, Director General (Safety) Railway Board, inspected Esplanade to Howrah Maidan stretch of Green Line and Esplanade to Mahanayak Uttam Kumar stretch of Blue Line. Prior to this inspection, he held a high-level meeting with all Principal Head of Departments of Metro Railway in presence of Shri P Uday Kumar Reddy, General Manager, Metro Railway at Metro Rail Bhavan. Shri Agrawal started his footplate inspection from new Esplanade Metro station to Howrah Maidan station and back in Motorman's Cab. He inspected the Entry and Exit Gates, AFCPC Gates, Ticketing System, Escalators, Lifts, Signage Boards, Platforms, Fire Detection & Suppression System & other passenger amenities, Station Control Room, Signalling System of new Esplanade & Howrah Metro stations of this stretch along with the tracks. During this inspection, high level officers of Metro Railway as well as Kolkata Metro Rail Corporation Limited (KMRCL) accompanied him.

तीर्थयात्रियों के लिए तोहफे से कम नहीं भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन, करिये आरामदायक यात्रा

जबलपुर से पुरी, गंगासागर, काशी एवं अयोध्या के लिए रवाना होगी भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन

सूत्र/आईआरसीटीसी - मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आई.आर.सी.टी.सी.) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जा रहा है, जो दिनांक 23.06.2024 को जबलपुर स्टेशन से ''पुरी-गंगासागर, काशी यात्रा एवं अयोध्या में रामलला के दर्शन'' के लिए रवाना होगी। यह ट्रेन मध्यप्रदेश के इंदौर, देवास, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी एवं अनूपपुर स्टेशनों से होते हुए जाएगी, जहाँ से यात्री इस ट्रेन पर सवार हो सकेंगे। 09 रातें/10 दिनों की इस यात्रा में पुरी, गंगा- सागर, बैद्यनाथ, जसडीह, वाराणसी एवं अयोध्या के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा। इसके लिए यात्रियों को महज रु.17,100/- प्रति व्यक्ति (इकनामी श्रेणी), रु.27, 550/- प्रति व्यक्ति (स्टैण्डर्ड श्रेणी) एवं रु. 36,250/- (कम्फर्ट श्रेणी) का खर्च उठाना होगा आईआरसीटीसी, इस सर्व समावेशी टूर की पेशकश कर रहा है, जिसमें भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रेक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन और गुणवत्तायुक्त बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था, यात्रा में टूर एस्क, र्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग की सेवा शामिल है।

पर्यटक इसकी बुकिंग आई.आर.सी.टी.सी. की वेबसाइट www.irctctourism.com पर ऑनलाइन व अधिकृत एजेंट से भी करा सकते है।

श्रद्धालुओं की अपार मांग को ध्यान में रखते हुए इस बार सप्त ज्योतिर्लिंग दर्शन ट्रेन चलाई जाएगी

यह यात्रा 01 जून को जयपुर से रवाना होकर वाया अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर से सवारियां लेती हुई जाएगी । इस यात्रा की अवधि 11 दिन की है जिसमें नागेश्वर (द्वारिका), सोमनाथ, त्रयम्बकेश्वर, भीमाशंकर, घृष्णेश्वर, महाकालेश्वर एवं ओमकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के साथ भेंट द्वारका एवं द्वारकाधीष मंदिर को



देखने का मौका मिलेगा।

आईआरसीटीसी के संयुक्त महाप्रबंधक/पर्यटन श्री योगेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का यह रेक पूर्णतयः त्रित्य श्रेणी वातानुकूलित यात्री बोगी से सुसज्जित है, जिससे कि इस गर्मी के मौसम में यात्रियों को कोई असुविधा नहीं होगी। यात्रा को दो श्रेणियों 'स्टैण्डर्ड केटेगरी' व 'कंफर्ट केटेगरी' में विभाजित किया गया है। स्टैण्डर्ड केटेगरी का मूल्य ₹ 26,630/- रखा गया है जिसमें एसी ट्रेन, नॉन- एसी आवास तथा नॉन- एसी बसों की व्यवस्था रहेगी। कंफर्ट केटेगरी का मूल्य ₹ 31,500/- रखा गया है जिसके अंतर्गत एसी ट्रेन के साथ एसी आवास एवं ए सी बसों की सुविधा मिलेगी।

यह यात्रा दिनांक 01.06.24 को जयपुर से रवाना होकर दिनांक 02.06.24 को द्वारका पहुँच जाएगी जहाँ द्वारकाधीष मंदिर के दर्शन करवाए जायेंगे एवं रात्रि विश्राम द्वारिका पुरी में रहेगा । दिनांक 03.-06.24 नागेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं भेंट द्वारका के दर्शन के पश्चात् ट्रेन सोमनाथ के लिए रवाना होगी। दिनांक 04.06.24 को ट्रेन सोमनाथ पहुंचेगी जहाँ यात्रियों को सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन करवाए जायेंगे एवं दर्शन पश्चात् यात्रियों को ट्रेन द्वारा नासिक ले जाया जायेगा। दिनांक 05.06.24 को ट्रेन नासिक पहुंचेगी जहाँ यात्रियों को त्र्यम्बकेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करवाए जायेंगे एवं रात्रि विश्राम नासिक में रहेगा । दिनांक 06.06.24 को ट्रेन नासिक से रवाना होकर दिनांक 07.06.24 को पुणे पहुंचेगी जहाँ यात्रियों को भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करवाए जायेंगे एवं दर्शन पश्चात् यात्रियों को ट्रेन द्वारा औरंगाबाद ले जाया जायेगा। दिनांक 08.06.24 को ट्रेन औरंगाबाद पहुंचेगी जहाँ यात्रियों को घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करवाए जायेंगे। दर्शन के पश्चात् यात्रियों को ट्रेन द्वारा उज्जैन ले जाया जायेगा। दिनांक 09.06.24 को महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन और रात्रि विश्राम होगा। दिनांक 10.06.2024 को ओंकारेश्वर ज्योति- र्लिंग के दर्शन के बाद ट्रेन रात्रि में ट्रेन जयपुर के लिए रवाना होगी एवं दिनांक 11.06.24 को जयपुर पहुंचेगी।

कन्फर्म बर्थ के साथ-साथ, होटल-आवास, खानपान सेवा, ट्रांसपोर्टेशन व मन्दिर दर्शन की सुविधा भी प्रदान करवाई जाएगी। इंस्युरेन्स के साथ सरकार/पीएसयू के कर्मचारी इस यात्रा पर वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा- निर्देशों के आधार पर पात्रता के अनुसार एलटीसी सुविधा का लाभ भी उठा सकते हैं।

यात्री इस पैकेज की विस्तृत जानकारी व्हाट्सएप्प नंबर 90010-94705, 8595930998 से भी प्राप्त कर सकते हैं। इन पैकेज की बुकिंग सुविधा आई.आर.सी.टी.सी. की वेबसाइटwww.irctctourism.com पर भी उपलब्ध है। इसके अलावा आईआरसीटीसी क्षेत्रीय कार्यालयः 7087 वी मंजिल क्रिस्टल मॉल, बनीपार्क, कलेक्ट्रेट सर्किल के पास जयपुर, (राजस्थान) में आकर भी करवा सकते है। सम्बंधित विवरण फोन न. 9001094705, 85959-30998 से भी लिया जा सकता है।

झाँसी मंडल की नई पहल – बचा हुआ खाने पीने का कचरा ट्रैक पर न फेंके, बेजुबान जानवर इस कारण होते है दुर्घटना का शिकार।

रेल गाड़ियों का विलंबन होने के साथ रेल यात्रा में होती है असुविधा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- मंडल रेल प्रबंधक के दिशा निर्देशन में झांसी मंडल यात्री सुविधाओं के साथ-साथ, यात्री सुरक्षा, यात्रियों को सुखद वातावरण प्रदान करने हेतु निरंतर तत्पर है। मंडल से गुजरने वाले सम्मानित रेल यात्री खाने पीने की सामग्री ट्रैक पर ना फेंके। ऐसा करने से मवेशी जैसे गाय, भैंस, कुत्ता, ऊंट आदि जानवर ट्रैक पर खाने के लिए आते हैं, और दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। इससे हमारे राष्ट्र को पशुधन की हानि होती है। इसके साथ रेल संचालन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। आज के समय में गाड़ियों की रफ्तार दिनों-दिन बढ़ती जा रही है, ऐसी स्थिति में अचानक जानवर के सामने आने से गाड़ी का ब्रेक लगाना संभव नहीं होता है तथा जानवर गाड़ी से टकराकर गाड़ी के इंजन को नुकसान/पहुंच सकता हैं, जिसके फलस्वरूप गाड़ी विलंबित होती है, और यात्रियों को अकारण असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। अतः झांसी मंडल अपने सम्मानित रेल यात्रियों से अपील करता है कि वह खाने पीने की चीज ट्रैक पर ना फेंके। सभी गाड़ियों में कूड़ेदान की व्यवस्था रखी गई है कृपया उसका उपयोग करें तथा गाड़ी को नुकसान पहुंचाने और विलंबित होने से बचाने के साथ बेजुबान जानवरों की जान बचाने में अपना



अमूल्य सहयोग प्रदान करें। अवगत कराना है की प्रतिदिन हमारे मंडल औसतन 5 से अधिक कैटल रन ओवर /दुर्घटना का शिकार बनते हैं। जिस कारण ट्रेनों की देरी के साथ ही रेल इंजन को भी कभी कभी बदलना पड़ता है। ट्रैक के आसपास जमा गंदगी से भी हमारे देश/विदेश से आने वाले सैलानी/पर्यटक/अतिथियों के समक्ष नकारात्मक छवि के साथ पर्यावरण भी गंदा दिखता है। खाने पीने की कचरे को उचित जगह फेंकने से उसका उचित निस्तारण होता है, और पर्यावरण को नुकसान होने के बजाय फायदा भी होता है, जैसे बायो वेस्ट से गैस बनती है जिसका उपयोग खाना बनाने में हो सकता है। आपके द्वारा किया गया एक छोटा सा सहयोग रेल यात्रीयो को सुखद अनुभूति प्रदान करने में अहम भूमिका निभा सकता है। साथ ही होने वाली अनेक असुविधाओं से बचा सकता है।

मुख्यालय उत्तर मध्य रेलवे में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की 19वीं राज्य कार्यकारणी समिति की बैठक का आयोजन।

सूत्र/उमरे- दिनांक 03.05.2024 को उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की 19वीं राज्य कार्यकारणी समिति की बैठक उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं राज्य मुख्य आयुक्त श्री वी. के गर्ग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। ज्ञात हो कि इस बैठक का आयोजन वर्ष में एक बार किया जाता है। इसमें सभी जिले एजेण्डे के अनुरूप वार्ता कर अपनी बातों को पटल पर रखते हैं और सर्व सम्मति से बैठक के अध्यक्ष द्वारा अनुमति मिलने के उपरान्त सभी जिले उसका अनुपालन करते हैं।

संस्थान के राज्य मुख्य आयुक्त एवं वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री वी. के गर्ग एवं सभी उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत स्कार्फ पहनाकर किया गया। बैठक का आरम्भ, उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा स्काउट प्रार्थना के साथ किया गया। तदोपरान्त आगरा, प्रयागराज एवं झांसी जिले द्वारा कमशः वार्षिक रिपोर्ट स्लाइड के माध्यम से प्रस्तुत की गयी। बैठक में उपाध्यक्ष एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासन श्री मुदित चंद्रा, राज्य सचिव एवं उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (मु.) श्री मुकेश कुमार कुलश्रेष्ठ, राज्य कोषाध्यक्ष एवं उप वित सलाहकार एवं मुख्य लेखा- धिकारी (मु.) श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, एवं प्रयागराज, आगरा व झांसी के जिला मुख्य आयुक्त एवं अपर मण्डल रेल प्रबंधक और जिले तथा राज्य मुख्यालय प्रयागराज के समस्त पदाधिकारियों ने सहभागिता में भाग लिया।

बैठक का संचालन राज्य संगठन आयुक्त श्री रवि कान्त शर्मा के द्वारा किया गया और श्री संतोष बाजपेयी, सहायक राज्य सचिव एवं सहायक उप महाप्रबंधक ने बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों आदि सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। अन्त में राष्ट्रीय गान के साथ बैठक का समापन किया गया।

रेलवे कारखाने के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होता है एलएचबी व्हील मेंटेनेंस कार्य।

साभार - पश्चिम मध्य रेल में सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना निशातपुरा भोपाल में एलएचबी व्हील सेट ओवरह लिंग का कार्य किया जाता है। यहाँ पर उत्पादन तथा उच्चतम गुणवत्ता के स्तर को बेहतर बनाने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एलएचबी व्हील मैंटेनेंस को विकसित किया गया है। मुख्य कारखाना प्रबंधक के निर्देशन में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एलएचबी व्हील मैंटेनेंस में पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों को उत्पादकता, कार्य प्रबंधन, तकनिकी प्रशिक्षण दिया जाता है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस केंद्र में एक कियॉस्क लगाया गया है, जिसमें एलएचबी व्हील सेट के सभी



मैन्युअल एवं कम्पोनेट ड्राइंग और स्पेसिफिकेशन डिजाइन तथा आरडीएसओ एवं रेलवे बोर्ड द्वारा जारी किए गए महत्वपूर्ण निर्देशों एवं पत्रों तथा कर्मचारियों के ट्रैनिंग के लिए इमेजेस, डाक्यूमेंट्स, वीडियो दिखाए गये हैं। रेल मॉनेटरिंग सिस्टम सॉफ्टवेयर द्वारा एलएचबी व्हीलों को डिजिटल डेटा रिकॉर्डिंग की जाती है। इससे एलएचबी व्हीलों का एनालाइसिस माइक्रो लेवल तक आवश्यकतानुसार किया जा सकता है। ये कक्ष पूर्णरूप से वाई-फाई लैस है। परफ रमेंस इंडिकेटर एक डिस्प्ले है जिसमे एलएचबी व्हील के आउटटर्न, एक्सल, डिस्क, व्हील डिस्क, सीटी-आरबी रोलर बीयरिंग, ऑयलर रिंग इत्यादि का रिजेक्शन एनालाइसिस डिस्प्ले किया गया है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस केंद्र में आरडीएसओ, रेलवे बोर्ड एवं कैमटेक द्वारा जारी किए गए महत्वपूर्ण निर्देशों की जानकारी भी डिस्प्ले द्वारा प्रदर्शित की जाती है।

प्रयागराज मंडल की महिला खिलाड़ी ने नेशनल फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के स्टीपलचेज में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता।

साभार- प्रयागराज मण्डल की महिला खिलाड़ी छवि यादव ने भुवनेश्वर में आयोजित नेशनल फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2024 में 3000 मीटर के स्टीपलचेज में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता। छवि यादव ने 3000 मीटर के इस स्टीपलचेज प्रतियोगिता में 10 मिनट 7 सेकेंड का समय लेते हुये प्रथम स्थान पाकर स्वर्ण पदक जीता। छवि यादव प्रयागराज मण्डल के कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर उप मुख्य टिकट निरीक्षक पद पर कार्यरत हैं। छवि यादव ने इससे पूर्व जर्मनी में आयोजित वर्ल्ड रेलवे क्रॉस कंट्री 2022 में स्वर्ण पदक नेशनल क्रॉस कंट्री 2023 में स्वर्ण पदक, नेपाल में आयोजित एशियन क्रॉस कंट्री 2023 की 10 किलोमीटर में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।



RAILWAYS WITHDRAW THE OUTER LIMIT OF GEO-FENCING RESTRICTIONS ON UTS MOBILE APP

Source/WR- The UTS on Mobile App is available across non-suburban as well as suburban section of Western Railway. This mode of ticketing has become a hit amongst the rail passengers with more & more people switching to Mobile App which is reflected in the impressive increase in the ticket sales from the App. In a bid to further enhance passenger convenience and make the process of booking tickets easier for the passengers, Indian Railways has now withdrawn outer limit of geofencing restrictions on UTS on Mobile App. This is part of the digitalization initiative with a view to promote three C's–Contact less ticketing, Cashless transaction and Customer convenience & experience while booking tickets. According to a press release issued by The Chief Public Relations Officer of Western Railway, the main objective of introducing UTS on Mobile App is to encourage digital ticketing mode, to promote self-ticketing and to ensure that passengers can buy tickets without facing the ordeal of queues. Recently, Railways have modified the distance restriction and now withdrawn outer limit of geofencing restrictions on UTS on Mobile App. After the withdrawal of outer limit of geofencing, commuters can now book tickets from any location to any destination, from the convenience of their home. However, commuters need to board train at suburban source station within one hour of booking ticets and in case of non suburban trains within three hours. Commuters will be unable to book tickets via the app inside the station. One of the additional advantages of using the UTS on Mobile App is that, passengers will receive a 3% bonus on R-Wallet recharge. Western Railway exhorts its esteemed customers to patronize the use of UTS on Mobile Ticketing App to avail the enhanced benefits attached with their use. Western Railway has taken various steps to popularize the use of modern ticketing modes and will continue to achieve this important object. In this regard, various promotional campaigns are being organized at important railway stations by Western Railway. To generate interest amongst more passengers and to create awareness about the facilities & benefits of UTS on Mobile App, creative & infotainment based web cards are posted on official social media platforms of WR for reaching out to the youth regarding the benefits of UTS on Mobile Ticketing App.

UTS mobile app

Madurai Junction Redevelopment works progress at a steady pace

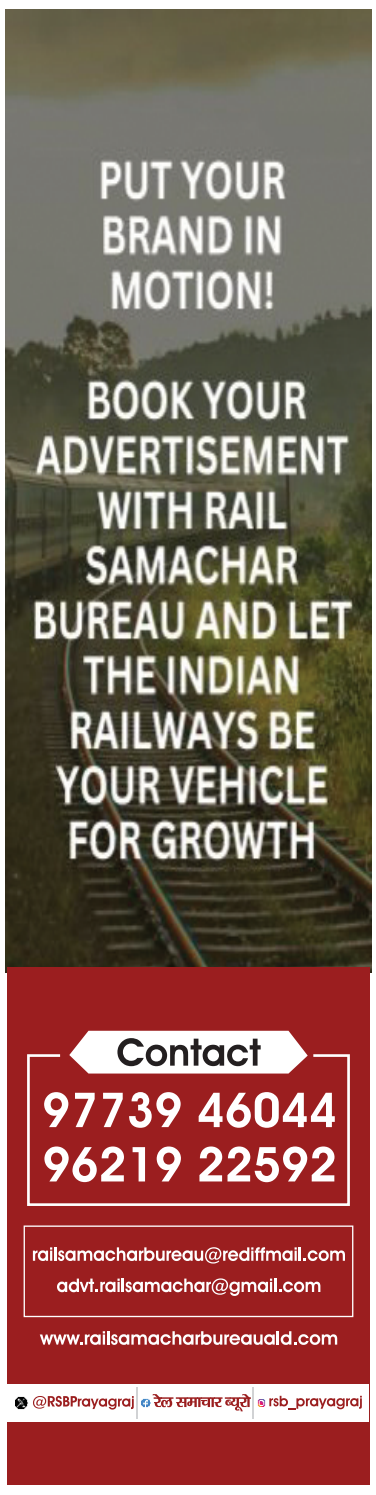


Source/RSB- Southern Railway has taken up Station Redevelopment under Amrit Bharat Station Scheme as one of the key areas for enhancing the infrastructure and passenger amenities at railway stations. Madurai Junction is an important railhead serving the 'Temple Town' Madurai is known for the famed Goddess Meenakshi Amman Temple. The station handles 96 trains per day & registers an average daily passenger footfall of more than 51,000 per day. The station attracts scores of tourists from all over India and abroad. Southern Railway has awarded the work of Redevelopment of Madurai Junction Railway Station in 2022 as Engineering, Procurement & Construction (EPC) contract at a cost of Rs. 347.47 Crores.

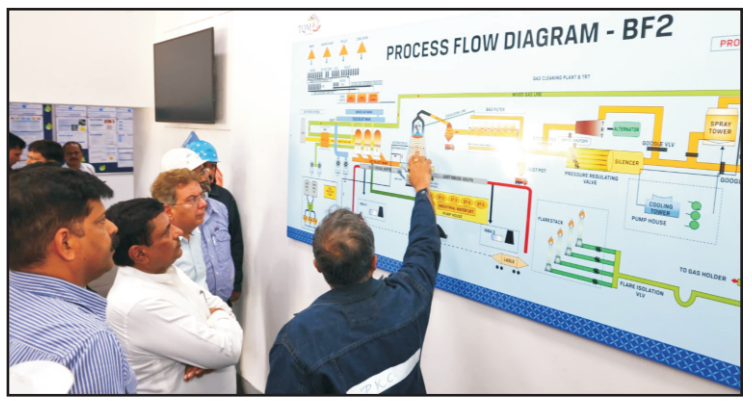
Eastern Railway Turns to AI-Based Solutions for Enhanced Safety



Source/ER- Eastern Railway will start using Artificial Intelligence (AI) based technology to enhance passenger safety, according to Eastern Railway CPRO Kaushik Mitra. Among the latest advancements is an AI-driven wheel prediction software for locomotives. "This software meticulously monitors locomotive wheel dimensions and is set to revolutionize maintenance practices by minimizing human error," Mitra stated. The wheel prediction software, built on a cloud-based platform using Google Sheets, offers a seamless user experience, allowing personnel to input wheel measurements directly from their mobile devices. By analyzing this data, the software accurately predicts when flange or root wear will exceed prescribed limits, enabling timely maintenance interventions. He highlighted that the software's precise monitoring and predictive analytics extend the life span of locomotive wheels, reducing maintenance costs and enhancing operational efficiency. "The software can forecast the probable date when wheels will reach condemnation limits, enabling preemptive actions to be taken," he added. Additionally, by aggregating data across different locomotives, the software aids in strategic decision making and resource allocation. It accurately determines the number of locomotives requiring wheel replacement in the near future due to low wheel diameter, facilitating proactive maintenance planning. A senior railway official in New Delhi stated that the integration of AI driven solutions by ER will ensure the safety of passengers and personnel, while also optimizing operations for enhanced reliability and efficiency.



GM/Central Railway Inspects JSW Dolvi Steel Plant to Enhance Freight Logistics



Source/RSB - Shri Ram Karan Yadav, General Manager of Central Railway, conducted an inspection of the JSW Dolvi Steel Plant near Pen in Raigad District. Accompanied by the Principal Chief Operating Manager, CAO (Construction), and DRM Mumbai, Yadav engaged with JSW officials to discuss strategies for improving freight logistics. The visit centered on optimizing the transportation of steel products by rail to reduce road congestion and enhance efficiency. By focusing on rail freight solutions, the team aims to ensure stress free transportation & bolster the overall supply chain. This initiative reflects Central Railway's commitment to leveraging rail infrastructure for industrial growth, facilitating smoother logistics, and contributing to sustainable transportation practices. The collaboration with JSW officials signifies a strategic effort to align industrial needs with railway capabilities, promising significant benefits for both sectors.



NEW PAMBAN BRIDGE CONSTRUCTION WORKS IN FULL SWING

Source/SR- The new Pamban Bridge is a 2,070-meter (6,790 ft) long vertical lift sea bridge that is being built parallel to the existing Pamban Bridge at Rameswaram in Tamil Nadu. This upcoming structure will be India's first vertical lift sea bridge. The new bridge will have 100 spans across the sea, 99 of which will be 18.3 meters and one of which will be 72.5 meters. It will be 3 meters higher than the existing bridge. Substructure is being constructed for two tracks to accommodate future doubling and superstructure is being provided for Single line. Reconstruction of Pamban Bridge was sanc-tioned under Supplementary demands for Grants 2018-19 on 20.02.2019.

Fabrication workshop was established at Sattirak-kudi Railway Station, sufficiently away from sea coast, as per RDSO Standard Technical Require-ment and the same was approved by RDSO (Rese-arch Designs and Standards Organisation). Steel Plate girders for approach spans, Open Web Girder for the navigational span and the Tower are being fabricated at this workshop and then transported to Bridge site for assembling and launching.

To facilitate movement of ships across the Railway bridge, navigational span can be lifted up to a height of 17 metres using fully automated Electro-mecha-nical system. The air draft (vertical clearance) in the lifted position of navigational span will be equal to the vertical clearance available in the Road Bridge, which will facilitate movement of bigger ships seam-lessly across the sea.

Reasons for going for a new Bridge at Pamban

- The 110 year old bridge has served its codal life.
- The Scherzer Span (Double Bascule) of the existing Bridge is corroded over the years.
- There is a Permanent Speed Restriction of 10 kmph over the 2km long bridge.
- There were intermittent stoppage of traffic on the bridge over several months for repairing the corr-oded members of lift spans.
- Therefore, it was decided to initially replace the



Scherzer Span with a vertical lift span.
- As this required suspension of traffic for over 8 months, it was decided to construct a new bridge on detour with a vertical Lift span of 72.5m.

Salient features of New Pamban Bridge

- **Objective:** Construction of a new Pamban bridge with Navigational Lift Span.
- **Location:** Located in Ramanathapuram District of Tamil Nadu, the new Pamban Bridge will connect Rameswaram island with the Main land.
- **Year of sanction**: 2019.
- **Anticipated cost**: Rs.550 cr.
- **Span configuration**: 99 x 18.3 m + 1 x 72.5m.
- **Length of the bridge**: 2.08 Km.
- **Substructure:** 1.5 m dia Pile foundation and Pile Cap/ Pier Cap with provision for two tracks.
- **Superstructure:** 72.5m Steel Through Girder for Navigational span & 18.3 m Steel Plate Girders for approach spans.
- **Navigational span:** One Vertical lift span of 72.5 m with provision for two tracks.
- **Approach spans:** 99 Spans of 18.3m Steel Plate Girders fabricated for Single line.

Present Status of work:-

- All Substructure consisting of 333 Nos. of Piles and 101 Nos. of Pile Caps have been completed.
- All 99 Approach Girders have been fabricated and 76 have been launched. Remaining 23 spans are being launched from Pamban end, following the movement of Lift Span.
- Lift Span has been fabricated and is being launched. Out of 428m, it has been launched for 200m.
- Track has been linked for 1.50 km from Mandapam End and trial movement of goods train (BFR with OHE masts) has been done.
- Remaining length of 0.60 km of track will be laid along with launching of Approach Spans from Pamban End.
- All Electromechanical Equipment has been procured. Trial assembly and Trial run of the Electro mechanical equipment has been done and found to be functioning satisfactorily.
- Lifting Tower has been erected on Mandapam end of Navigation channel and the same is under erection on Pamban end of the channel.
- Raising of the Platform level and improvement to the station has been completed at the adjacent Pamban Station.
- The Bridge will be completed before the end of 2024 and commissioned for rail traffic.

Benefits:

- The new Pamban Bridge will be a modern bridge that can accommodate higher volumes of traffic.
- The new bridge will have a higher clearance to allow larger boats to pass underneath, improving sea connectivity and facilitating smoother trans-portation in the region.
- The new bridge incorporates modern engineering techniques and materials to enhance durability and longevity.
- The new bridge will offer a significant boost to regional transportation & economic development.
- Efforts towards infrastructure development like the new Pamban Bridge highlight Railways' commi-tment in modernizing its transportation networks and improving connectivity across various regions.

पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन ने हाजीपुर में 70 रेलकर्मियों को किया सम्मानित।



सूत्र/पूमरे पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने वैशाली रेल प्रेक्षागृह, हाजीपुर में आयोजित एक समारोह में मंडलों एवं मुख्यालय से चयनित 70 रेलकर्मियों को सम्मा-नित किया। इस सम्मान समारोह में ट्रैकमेंटेनर, ट्रॉलीमैन, गैंगमैन एवं गेटमैन को उनके सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए पुरस्कृत किया गया। श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने अपने संबोधन में इन कर्मियों के समर्पण और मेहनत की सराहना की और कहा कि उनकी सेवाओं के बिना रेल संचालन असंभव है। उन्होंने इस सम्मान को प्रेरणा स्रोत बताते हुए कहा कि इससे अन्य कर्मचारियों को भी उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। समारोह में उपस्थित अन्य अधि- कारियों ने भी सम्मानित कर्मियों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। यह आयोजन कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने और उनकी कड़ी मेहनत की पहचान करने के उद्देश्य से किया गया था।

पश्चिम मध्य रेल में 53 स्टेशनों का होगा कायाकल्प।



सूत्र/पमरे- अमृत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अधोसरंचनात्मक कार्यों को गति प्रदान करने के लिए रेलवे प्रशासन कृतसंकल्पित है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने शुक्रवार को प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्षों और जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मण्डलों के मंडल रेल प्रबंधकों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में अमृत स्टेशन योजना के तहत पश्चिम मध्य रेल के 53 रेलवे स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। महा-प्रबंधक द्वारा तीनों मण्डलों में वर्तमान में चल रहे स्टेशनों की प्रगति की पूरी जानकारी प्राप्त कर निर्धारित समय अवधि में पूरा करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। पश्चिम मध्य रेल में पुनर्विकसित हो रहे स्टेशनों की जानकारी इस प्रकार है।

जबलपुर मण्डल के स्टेशनः जबलपुर, सतना, कटनी, मैहर, दमोह, करेली, ब्यौहारी, रीवा, सागर, नरसिंहपुर, कटनी मुड़वारा, पिपरिया, गाडरवारा, सिहोरा रोड, श्रीधाम, कटनी साऊथ, एवं बरगवां रेलवे स्टेशन शामिल है।

भोपाल मण्डल के स्टेशनः भोपाल, बीना, संत हिरदाराम नगर, गंजबासौदा, विदिशा, अशोक नगर, रुठियाई, ब्यावरा राजगढ़, साँची, शाजापुर, खिरकिया, बानापुरा, इटारसी, गुना, नर्मदापुरम, हरदा एवं शिवपुरी रेलवे स्टेशन शामिल है।

कोटा मण्डल के स्टेशनः कोटा, डकनिया तलाव, भरतपुर, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, रामगंजमंडी, भवानी मंडी, शामगढ़, विक्रमगढ़ आलोट, बयाना, हिण्डौनसिटी, श्री-महावीर जी, बारां, छबड़ा गुगोर, बूँदी, माण्डलगढ़, झालावाडसिटी, गरोठ एवं चौमहला रेलवे स्टेशन शामिल है।

इस योजना के अंतर्गत स्टेशनों में स्टेशन भवन का सुधार और स्थानीय कला तथा संस्कृति के तत्व का समावेश करते हुए स्टेशन के अग्र भाग का सौन्दर्गीकरण, सर्कुलेटिंग एरिया, द्वितीय प्रवेश द्वार और आगमन/ प्रस्थान बिल्डिंग का भी पुनर्विकास किया जा रहा है। इनमें स्टेशन पहुंच मार्ग के लिए नई सड़कें, पैदल पथ, पार्किंग तथा सुगम यातायात की सुविधा भी शामिल है। स्टेशनों को दिव्यांग फ्रेंडली बनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत हर स्टेशन पर दिव्यांग शौचालय एवं रैंप इत्यादि की सुविधा सुनिश्चित की जा रही है। फुट ओवर ब्रिज के प्रावधान के साथ-साथ हाई लेवल प्लेटफॉर्म, बेहतर सतह, कवर शेड, उन्नत प्रतीक्षालय एवं शौचालय इत्यादि का भी समुचित प्रावधान है। यात्रियों की सुविधा हेतु उन्नत फर्नीचर, स्टैंडर्ड साइन बोर्ड, पर्यटक सुविधा काउंटर, चिकित्सकीय सुविधाएं, पेयजल व्यवस्था, टिकटिंग व्यवस्था, फूड स्टॉल, सार्वजनिक घोषणा प्रणाली, चार्जिंग प्वाइंट एवं सहायता बूथ की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

स्टेशनों के पुनर्विकास योजना से क्षेत्र की आर्थिक तथा सामाजिक उन्नति भी होगी। रेलवे स्टेशन की उन्नति के साथ क्षेत्र में पर्यटन के विकास की अपार संभावनाएं पैदा होंगी और साथ ही रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा और व्यापार के क्षेत्रों में नए अवसर उपलब्ध होंगे।

Major achievements of N. F. Railway in Financial Year 2023-24

Source/NFR- During the Financial Year 2023-24, N. F. Railway (NFR) achieved milestones in various categories including freight loading, electrification, introduction of new trains and providing better amenities for passengers.

NFR achieved best ever POL loading of 515 rakes in 2023-24. Facilitating ease of doing business, NFR achieved an impressive growth of 32% over target in Maize loading during 2023-24. Fulfilling social duties even in most difficult times,NFR offered remarkable service to the people of Manipur during law-and-order situation by transporting essential commodities in 139 wagons to Khongsang in Manipur. NFR's relentless efforts resulted in carrying more tonnage inspite of limited line capacity. A whopping number of 453 Bogie Covered Wagons (BCNHL) rakes released in just 3 months over NFR. NFR improved system efficiency through proactive step of starting Closed Circuit rakes examination of BCNHL rakes at New Guwahati reducing movement of invalid empty rakes. As a result of NFR's continuous efforts, highest ever inward traffic of 35.30 million tonnes was achieved during FY 2023-24 which recorded a growth of 6.9% as compared to previous financial year.

NFR is rapidly progressing to accomplish 100% Electrification across the zone. For that, 921.62 Route Kilometer and 1279.74 Track Kilometer has been electrified during 2023-24. Cumulative 2583 Route Kilometer & 4485 Track Kilometer Electrification over NFR completed which is 61% of its total Kilometer.

NFR is committed to provide better services to public in quantity and quality. For that, NFR had introduced eleven new trains in 2023-24. To provide better travel experience, eleven conventional trains were converted to modern Linke Hofmann Busch rakes. on public demand, 34 pairs of Mail Express and Passenger trains were provided additional stoppages at 35 nos. of stations by NFR in 2023-24. Also, 151 nos. of coaches were permanently augmented in 25 pairs (62 rakes) of Mail Express trains to create additional berths for the waiting listed passengers.

For crossing of passenger/ pedestrian, during 2023-24, 10 Foot Over Bridge's were constructed over NFR. Also, to provide ease of movement for Divyangjans, aged and children on railway platforms, 04 Lifts and 04 Escalators were commissioned in 2023-24.



GM/NFR inspected North Lakhimpur - Dibrugarh section in upper Assam

Reviewed the progress of developmental works at various stations

Source/NFR- Shri Chetan Kumar Shrivastava, General Manager of N. F. Railway on 3rd May, 2024 conducted a thorough inspection of the North Lakhimpur – Dibrugarh (via Kamakhya) section under Tinsukia Division. Shri Uttam Prakash, Divisional Railway Manager of Tinsukia with senior officials of headquarter & division accompanied the General Manager during the inspection. The General Manager took stock of all the developmental works, electrification in various stations in upper Assam. He also interacted with the railway officials and inspected the safety related gears at the railway stations. Further, he counselled Railway staff at different levels for better performance in the fields of safety, security & passenger convenience. During the inspection, the General Manager inspected the plans of new station building, crew lobby, Foot Over Bridge, platform and other passenger amenities works at North Lakhimpur, Bordoloni, Dhemaji, Tangani, Dhamalgaon and Dibrugarh stations. He conducted window trailing inspection from Dhemaji to Bogibeel Bridge North Block Hut and Bogibeel Bridge North Block Hut to Tangani. He inspected crucial areas such as the level crossing gates, marshalling yards, coaching yards, minor & major bridges, running room, health unit. He conducted thorough inspection of the ongoing activities and examined the developmental plans for these sections. He also inspected the ongoing station redevelopment activities under Amrit Bharat Stations Scheme for providing better, additional and enhanced passenger amenities.

Later, the General Manager held interactions with representative of unions and members of Divisional Railway Users' Consultative Committee and discuss plans for infrastructural development & business expansion in the area. General Manager's assessment of the ongoing works reflects the dedication and efforts of Northeast Frontier Railway in commitment towards providing safe, efficient and comfortable travel experiences for passengers.

Indian Railways offers meals at economical price for travelers during summer season

These meal counters are operational at 08 Stations over NFR

Source/NFR- The Northeast Frontier Railway (NFR) has decided to make available affordable budget-friendly economy meals and packaged drinking water to passengers at all railway stations and long distance trains across its jurisdiction. These services are available at 09 locations of 08 stations over NFR, such as Guwahati, Kamakhya, Rangiya, New Coochbehar, Katihar, New Tinsukia, Naharlagun and New Alipurduar, including on summer special trains, allowing passengers to experience quality service throughout their journey. The initiative also includes the placement of drinking water bottles near general second class and sleeper class compartments, as well as the provision of making these available directly in the compartments of long distance trains.

Indian Railways has taken an effective initiative to provide the passengers of the general coaches with the economic meal at an affordable price of Rs. 20 and snacks would cost Rs.50 with glasses of water of 200 ml at affordable prices. IRCTC vendors are stationed with trays, ready to assist passengers with food packets and drinking water. These pocket-friendly options ensure that passengers can enjoy their journey without worrying about their basic needs.

This service was successfully piloted at about 51 stations last year. Building on that success, Railways has significantly expanded the program, with counters now operational at over 100 stations and nearly 150 counters in total across Indian Railways. The initiative is slated for further growth, encompassing even more stations in the near future.

This program offers a significant benefit for passengers, particularly those travelling in General Class coaches. The readily available, affordable meals and snacks ensure travelers can stay comfortable throughout their journeys.

Shri Anil Kumar Khandelwal, Member Infrastructure Railway Board visits USBRL Project in J&K Inspects and reviewed the ongoing important works of the USBRL Project

Source/NR- Shri Anil Kumar Khandelwal, Member Infrastructure, Railway Board carried out an intensive & detailed inspection of the Srinagar- Sangaldan-Katra section of the prestigious National Project of USBRL on 05.05.2024 along with the senior officers of NR and KRCL.

He started his inspection from Srinagar end by train/ inspection car upto Sangaldan. Thereafter he conducted Motor Trolley inspection from Sangaldan onwards upto Katra. on the way he critically inspected the ongoing balance critical works in Sawalakote yard and tunnel number T-33 near Katra which is critical for commissioning of the entire project. He expressed satisfaction at the pace of progress and instructed the project authorities to closely monitor the work of Tunnel T-33. This project is widely acknowledged as one of the most challenging railway line endeavors in the Indian subcontinent, traversing through the young Himalayas fraught with geological complexities.



Every day, Indian Railway is edging closer to connecting Kashmir Valley to the rest of the Railway network

GENERAL MANAGER REVIEWS PERFORMANCE OF NORTHERN RAILWAY

Source/NR- Sh. Shobhan Chaudhuri, General Manager Northern Railway held a performance review meeting with the departmental heads of Northern Railway and DRMs at Baroda House, NR headquarter office in New Delhi. Detailed discussions were held on issues and cases relating to safety, rail fractures and passenger amenities, efforts are being put in to increase train speed, digitization of Railway records, material management and scrap disposal.

Sh. Chaudhuri instructed on focusing efforts on the maintenance of track, welds of joints, signaling systems and rolling stock assets for unhindered running of trains. He added that the frontline staffs are the eyes and ears of railways, attention should be given to their periodic training and sensitization to use of new technology.

He took stock of the works being undertaken to remove bottle necks to enhance speed of trains, elimination of level crossings, doubling, electrification, construction of ROBs and RUBs were some of the points touched upon. He called upon the concerned departments to expedite the processes. He also advised to maintain an adequate stock pile of materials needed for repair and maintenance of assets along with timely disposal of scrap. He insisted on completion of digitalization of all railway records to bring in more transparency.

Sh. Chaudhuri emphasized to complete the works related with construction of important projects. He also informed that, loading of food grains and other items have steadily increased with every passing month.

Northern Railway is committed to provide safe, smooth & efficient services to its customers.

सुश्री गीतिका पांडे अब उत्तर पश्चिम रेलवे में प्रमुख वित्त सलाहकार बनी।



साभारः सुश्री गीतिका पांडे ने उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रमुख वित्त सलाहकार का कार्यभार ग्रहण किया। सुश्री गीतिका पांडे भारतीय रेल लेखा सेवा के 1990 बैच की वरिष्ठ अधिकारी हैं। इससे पूर्व गीतिका पांडे उत्तर पश्चिम रेलवे पर सलाहकार की एवं मुख्य लेखा अधिकारी (ट्रैफिक एवं केपेक्स) के पद पर कार्यरत थी। गीतिका पांडे उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल पर मंडल रेल प्रबंधक के पद पर भी कार्य कर चुकी हैं। इससे पूर्व सुश्री गीतिका पांडे को भारतीय रेलवे के विभिन्न जोन व मंडलों पर कार्य करने का व्यापक अनुभव प्राप्त है। इसके अतिरिक्त उन्होंने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में भी महत्वपूर्ण पद पर अपनी सेवाएं प्रदान की है। सुश्री गीतिका पांडे को रेलवे में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न स्तरों पर पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित भी किया गया है।

सीआईएसएफ (CISF) द्वारा दी गई रेल सुरक्षा बल एवं वाणिज्य विभाग आगरा को पार्सल लगेज स्कैनर की स्पेशल ट्रैनिंग।

साभार - मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री तेज प्रकाश अग्रवाल के दिशा निर्देशन में डीआरएम ऑफिस आगरा के गोर्वधन सभागार में वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल आगरा श्री अनुभव जैन के नेतृत्व में तीन दिवसीय ट्रैनिंग का आयोजन सीआई-एसएफ/एयरपोर्ट के इंस्पेक्टर श्री संजय कुमार द्वारा दिनांक 06 से 08 मई हुआ। ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व आगरा कैंट एवं आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन पर बुकिंग पार्सल पैकेज चौकिंग के लिए पार्सल स्कैनर लगाए गए हैं, जिनके लिए रेलवे सुरक्षा बल एवं वाणिज्य विभाग को पार्सल लगेज स्कैनर मशीन से संबंधित एक स्पेशल ट्रेनिंग सीआईएसएफ के लगेज स्कैनर विशेषज्ञ के समन्वय से करवाई गई, जिसमें आरपीएफ निरीक्षक आगरा किला, आरपीएफ निरीक्षक आगरा कैंट, सीपीएस आगरा किला, सीपीएस आगरा कैंट एवं रेल सुरक्षा बल के सदस्य व वाणिज्य स्टॉफ मौजूद रहें।

मण्डलायुक्त के द्वारा मतदाता जागरूकता विशेष अभियान का किया गया शुभारम्भ।

साभार- लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में जनपद प्रयागराज में दिनांक 25.05.2024 को मतदान सम्पन्न होना है। आगामी 25 मई 2024 को शतप्रतिशत मतदान किये जाने के दृष्टिगत 10 मई 2024 को सेन्ट अन्थोनी गर्ल्स इण्टर कालेज, प्रयागराज में जनपद प्रयागराज के समस्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यो की उपस्थिति में मतदाता जागरूकता विशेष अभियान का शुभारम्भ मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नवनीत सिंह चहल, मुख्य विकास अधिकारी श्री गौरव कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिला विद्यालय निरीक्षक श्री पी.एन.सिंह द्वारा पुष्प गुच्छ प्रदान कर मण्डलायुक्त, जिलाधिकरी एवं मुख्य विकास अधिकारी का स्वागत किया गया। अपने स्वागत सम्बोधन में जिला विद्यालय निरीक्षक ने स्वीप की विशेष कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुये कहा कि जनपद मे 25 मई 2024 को मतदान तिथि निर्धारित है। अर्थात् अब एक पखवाडे का समय शेष है तो मुख्य विकास अधिकारी महोदय के निर्देशन में पूर्व से संचालित कार्ययोजना के साथ-साथ विशेष कार्ययोजना जिसमें नियमित रूप से जनपद के समस्त शिक्षण संस्थानों में रक्षा-सूत्र, संकल्प पत्र, जागरूकता रथ एवं बुलावा टोली द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का संचालन कराया जाना है।

Shri P Uday Kumar Reddy, General Manager, conducted a thorough inspection of the Victoria station and the Casting Yard



Source/RSB- Shri P Uday Kumar Reddy, General Manager, conducted a thorough inspection at the construction site of the Victoria station of the Purple Line and the Casting Yard at Sarkarpool. During the inspection, he received a detailed briefing on the execution plan for the station's construction and the specifics of the tunnels that will be dug for the corridor. This inspection highlights the commitment of the authorities to ensure the timely and efficient completion of the project. The Victoria station is a crucial part of the Purple Line, and its progress is closely monitored to maintain project timelines. Mr. Reddy's visit underscores the importance of effective supervision in largescale infrastructure development projects.

आलेख

भूमिका

कविता वही लिख सकता है जिसके पास भाव, विचार, अध्यात्म, अनुभव प्रेम, करुणा हो। ये प्राथमिक आवश्यकताएं हैं, कविता लेखन की। कवि मकरध्वज श्रीवास्तव जी प्रेम-प्यार और मानवीय भावों के ऐसे कवि हैं जिन्होंने एक उम्र गुजारी है, जीवन की कठिन यात्रा में।

उनके हृदय में प्रेम की भावना कूट-कूट कर भरी है। जीवन के हर राग-रंग को निकट से देखा-परखा है। वे लिखते हैं-

''जीवन का उपहार तुम्हीं हो
आओ तुमसे प्यार करूँ।
मेरे मन मंदिर में आओ
तेरा मैं मनुहार करूँ।''

उनकी एक कविता प्रेम सुधा शीर्षक से है जिसमें वे कितनी सहजता से अपने हृदय को खोलकर पाठकों के हाथ सौंप देते हैं-

''सपनों में जब तुम आ जाती
प्रेम सुधा रस बरसाती हो।
तुम मेरे मन की राधा हो
पीड़ा मेरी हर लेती हो।''

जब वे अध्यात्म की बात करते हैं तो सहज से शब्द कितने गहरे उतरते हैं उसका अंदाज लगा पाना बहुत कठिन हो जाता है। सुख का आधार शीर्षक से उनकी रचना की निम्न पंक्तियां देखें-

''कर्म करोगे,भोग करोगे
दुनिया में तुम सब जीतोगे।
स्वार्थ करोगे,दुख पाओगे
जीवन सब निस्सार करोगे।''

राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत भी उनकी रचनाएं पटी पड़ी हैं। राष्ट्र-धर्म शीर्षक से रचित रचना में कवि मकरध्वज श्रीवास्तव लिखते हैं-

'' सीमाओं की रक्षा करना
वीरों का यह नारा है।
साथी मिलकर हाथ बढ़ाओ
राष्ट्र-धर्म ही प्यारा है।''

आप सहज भाव के चितेरे हैं। चीजों को देखते हैं,परखते हैं फिर बिना लाग-लपेट व्यक्त कर देते हैं। इस वजह से उनकी कविता में भाषा, शिल्प या किसी प्रकार की फैंटेसी का सर्वथा अभाव है। आप सामाजिक बदलाव के पक्षधर भी हैं। आपकी निर्माण नवल शीर्षक से रचना की पंक्तियां द्रष्टव्य हैं-

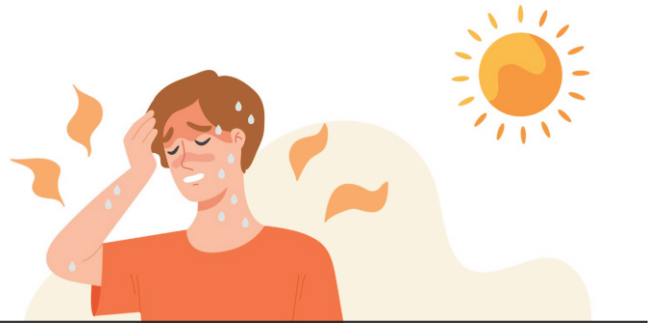
''सामाजिक समरसताओं से ही
नव विकास करना होगा।
फौलादी हाथों से अब
निर्माण नवल करना होगा।''

उनकी रचनाओं में स्वर, लय का बराबर ध्यान रखा गया है। हालांकि मात्रिक और छंदबध्दता की दृष्टि से देखा जाए तो वे बंधती नहीं है। कवि उन्मुक्त भावों को रचनाकार हैं। उम्र के चौथे पड़ाव पर अनुभवों की निचोड़ को ही आपने शब्दों में ढालकर प्रस्तुत कर दिया है।

कवि मकरध्वज जी का जन्म स्वतंत्रता से पूर्व एक अगस्त 1940 को मिर्जापुर जिले के एक छोटे से गाँव मवैया (जगदीशपुर) में हुआ। उन्होंने एमए हिंदी, अर्थशास्त्र एवं राजनीति शास्त्र कर बी.एड. की डिग्री हासिल की। मध्यप्रदेश के शिक्षा विभाग में शिक्षक, सहायक जिला शाला निरी- क्षक, बी. ई.ओ तथा सेवाकाल में विभिन्न प्रशासनिक कार्यों का निर्वहन करते हुए 31 जुलाई 2002 को सेवानिवृत्ति हुए। शिक्षा विभाग में आपने सेवा काल की लंबी पारी खेली है अतः आपकी रचनाओं में संदेशों की कमी नहीं है। आपकी ''काव्य-प्रसून'' नामक यह संग्रह शीघ्र प्रकाशनाधीन हैं। मेरी उन्हें बधाई एवं अशेष शुभ कामनाएं हैं कि काव्य जगत में आपकी यह संग्रह एक नक्षत्र की तरह जगमगाएं।

केशव शुक्ला ●
साहित्यकार/समीक्षक
पत्रकार कॉलोनी, हाउस नम्बर-37
रिंगरोड क्रमांक-2
''गौरव पथ'' नर्मदा नगर रोड
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

गर्मी के मौसम में रखे विशेष ध्यान



गर्मी का मौसम आ गया है और धूप की तेजी से हर कोने में गर्माहट महसूस हो रही है। यह मौसम हमारे जीवन को प्रभावित करता है, हमारे शरीर को प्रभावित करता है और हमें अलग-अलग प्रकार की बीमारियों से प्रभावित कर सकता है। इसलिए, इस मौसम में स्वस्थ रहना बहुत महत्वपूर्ण है। यहां हम गर्मियों में स्वस्थ रहने के कुछ उपायों पर चर्चा करेंगे:

पानी की खासियतः गर्मियों में पानी की मात्रा को बढ़ाना बहुत जरूरी है। धूप में ज्यादा समय बिताने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इसलिए, प्रतिदिन कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए। इससे शरीर की ठंडक बनी रहती है और हीट स्ट्रोक जैसी बीमारियों से बचाव होता है।

स्वस्थ आहारः गर्मियों में आहार को हल्का और पाचनशक्ति से आसान बनाए रखना चाहिए। ताजा फल और सब्जियाँ, खीरे, तरबूज, टमाटर, आम आदि इस मौसम में शानदार पोषण प्रदान करते हैं। इन्हें अपने आहार में शामिल करें और स्वस्थ रहें।

धूप से बचावः गर्मियों में धूप से बचाव के लिए उचित कपड़े पहनना आवश्यक है। टोपी और सनग्लास का उपयोग करें। धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाएं। दोपहर के समय धूप में निकलने से बचें। पर्याप्त पानी पिएं। ये उपाय आपकी त्वचा और सेहत को सुरक्षित रखने में मदद करेंगे।

व्यायामः गर्मियों में व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। सुबह के समय या शाम के समय ठंडे स्थान पर व्यायाम करना बेहद लाभकारी होता है। यह आपके शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है और विभिन्न गर्मियों की चुनौतियों का सामना करने में मदद करता है।

गर्मियों के मौसम में स्वस्थ रहने के लिए उपरोक्त सुझावों का पालन करें।

50th Countdown to IDY 2024 generated massive enthusiasts about Yoga

People from all walks of life participated in the event.

Source/PIB - Surat was infused with the bliss of Yoga during the 'Yoga Mahotsav,' a grand celebration leading up to the International Day of Yoga-2024. Held at the Police Parade Ground in Athwalines, this event, drew a massive crowd. Above seven thousands of eager participants came together for this gala affair, immersing themselves in the practice of the Common Yoga Protocol (CYP) from 7.00 AM on May 02, 2024. Their overwhelming enthusiasm & active engagement highlighted the increasing significance of Yoga in fostering both personal and societal well-being.

The event was graced by Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary, Ministry of Ayush along with Shri Satyajit Paul, Deputy Director General, Ministry of Ayush; Prof. Avinash Chandra Pandey, Director of the Inter-University Accelerator Centre, New Delhi and Inter-University Centre for Yogic Sciences, Bengaluru; and Vaidya Dr. Kashinath Samagandi, Director of Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY). Their attendance lent a profound significance to the occasion, showcasing a shared dedication to the promotion of Yoga & the advancement of betterment for individuals and communities alike. Their participation underscored a collective commitment to fostering holistic well-being through the practice of Yoga.

In his address, Vaidya Rajesh highlighted that Surat has also made a wonderful contribution to the development of the country. It is a matter of pride for us that Surat has got the title of the cleanest city in the country. He expressed his delight at the gathering for the 'Yoga Mahotsav' in Surat, amidst its serene environment and commended the attendees for their disciplined presence, which contributed to the success of the program. Yoga has now drawn attention of the world and in IDY 2023 more than 23.5 crore people across the globe practised Yoga, he added. This Year this participation is sure enough to increase. To mark the occasion of 25th countdown to IDY-2024, a major event will also be held in Bodhgaya.

In 2015, a significant milestone was achieved when the United Nations declared June 21st as International Day of Yoga. This day serves as a global platform to raise awareness about the many benefits of practicing Yoga, both for physical and mental well-being, and to promote its universal appeal across different cultures and societies. Since its inception, International Yoga Day has been celebrated worldwide with various events, seminars, workshops, & demonstrations aimed at highlighting the profound impact of Yoga on individuals



and communities.

He also stated that Morarji Desai National Institute of Yoga has played a pivotal role in shaping the landscape of yoga in our country by producing thousands of skilled yoga masters.

Dr. Kashinath Samagandi, Director, MDNIY, began the event with a warm welcome address, extending his gratitude to all participants for their valuable contributions to the program's success. He underscored the role of Yoga Mahotsav as a crucial stepping stone towards the International Day of Yoga 2024 (IDY-2024), emphasizing its significance in promoting the universal practice of Yoga. The 10th edition of the International Day of Yoga celebrations represents a significant milestone in the journey of this global movement promoting health and well-being.

A live demonstration of the Common Yoga Protocol unfolded, showcasing the expertise of the practitioners from the Morarji Desai National Institute of Yoga, led by the Director of the institute. Over 7000 Yoga enthusiasts actively participated in the demonstration, collectively engaging in the prescribed Yoga practices outlined in the Common Yoga Protocol.

The event was enriched by the presence of senior officials from the Ministry of Ayush, Gujrat Yog Board, representatives from the state government, and numerous other distinguished dignitaries and experts. Additionally, the gathering was enhanced by messages from revered Yoga masters and gurus, further illuminating the significance of the occasion. Their collective involvement and guidance added depth to the event, emphasizing the importance of Yoga in promoting personal and societal well-being.

The Ministry of Ayush, in conjunction with the Morarji Desai National Institute of Yoga, is orchestrating a series of Mass Yoga Demonstrations and sessions as part of the '100 Days, 100 Cities, and 100 Organizations' campaign an event to commemorate IDY-2024. This initiative operates in collaboration with a wide array of stakeholders including schools, universities, institutes, colleges, corporate bodies, as well as all states and union territories.

फर्जी कॉल– डॉट/ट्राई के नाम से आ रहे फोन कॉल से सतर्क रहें।



सूत्र/रे.स.ब्यू- संचार मंत्रलय के दूरसंचार विभाग (डॉट) ने नागरिकों को एक सलाह जारी की है कि वे ऐसी फर्जी कॉलों पर ध्यान न दें, जिसमें कॉल करने वाले उनके मोबाइल नंबरों को डिस्कनेक्ट करने की धमकी दे रहे हैं, या उनके मोबाइल नंबरों का कुछ अवैध गतिविधियों में दुरुपयोग किए जाने की बात कह रहे हों। दूरसंचार विभाग ने विदेशी मूल के मोबाइल नंबरों (जैसे +92xxxxxxxxx) से सरकारी अधिकारियों के नाम पर लोगों को ठगने वाले व्हाट्सएप कॉल के बारे में भी सलाह जारी की थी। साइबर अपराधी ऐसी कॉल के जरिए साइबर अपराध/वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए धमकी देने या निजी जानकारी चुराने की कोशिश करते हैं। डॉट/ट्राई अपनी ओर से किसी को भी इस तरह की कॉल करने के लिए अधिंत नहीं करता है और ऐसे मामले में लोगों को सतर्क रहने तथा संचार साथी पोर्टल (www.sancharsathi.gov.in /sfc) की 'चक्षु-रिपोर्ट सस्पेक्टेड फ्रॉड कम्युनिकेशंस' सुविधा पर ऐसी धोखाधड़ी वाली कॉल की शिकायत करने की सलाह दी है। इस तरह की त्वरित शिकायत से दूरसंचार विभाग को साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी आदि के लिए दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने में मदद मिलती है। डॉट नागरिकों को पहले से ही साइबर अपराध या वित्तीय धोखाधड़ी के शिकार होने की स्थिति में साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 या www.cybercrime.gov-पद पर रिपोर्ट करने की सलाह देता है।

फर्जी कॉल- डॉट/ट्राई के नाम पर आपके मोबाइल को डिस्कनेक्ट करने की धमकी देने वाली किसी भी कॉल पर ध्यान न दें और इसकी शिकायत www.sancharsaath.gov-पद पर करें

बनारस रेल इंजन कारखाना में थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन बैठक संपन्न।

साभार - दिनांक 08 मई 2024 को बनारस रेल इंजन कारखाना के कीर्ति कक्ष में महाप्रबंधक श्री सुशील कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में लोको-मोटिव आइटम को निरीक्षण करने वाली थर्ड पार्टी इन्स्पेक्शन एजेंसी (टी.पी.आइ.) के साथ चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स एवं पटियाला लोको-मोटिव वर्क्स के साथ साझा बैठक आयोजित किया गया। जिसमे इन एजेंसीज द्वारा निरीक्षण किए गए रेल इंजन के कल-पुर्जो की गुणवत्ता के बारे मे विस्तार से चर्चा की गई तथा निरीक्षण के उचित तौर-तरीकों के बारे मे जानकारी दी गयी। बैठक में ब.रे.का. महाप्रबन्धक श्री सुशील कुमार श्री वास्तव ने लोकोमोटिव आइटमों के निरीक्षण व उनकी गुणवत्ता के संबंध में थर्ड पार्टी इन्स्पेक्शन एजेंसी को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने बताया कि लोको-मोटिव आइटमों की गुणवत्ता भारतीय रेलवे के सुरक्षित परिचालन, निर्धारित उत्पादकता राष्ट्र के विकास से सीधे तौर पर संबन्धित है साथ ही अलग-अलग कैटेगरी के आइटमों की निरीक्षण की विधि व इनके निरीक्षक की योग्यता पर निरीक्षण एजेंसियों को महत्वपूर्ण सुझाव दिये। निरीक्षण एजेंसियों को बरेका के साथ समन्वय बनाते हुए उनको सभी तरह के सहयोग उपलब्ध कराने का भी आश्वासन प्रदान किया एवं थर्ड पार्टी इन्स्पेक्शन एजेंसी को समयबद्ध तरीके से अपने निरीक्षण गुणवत्ता में सुधार करने का सुझाव दिया गया।

संपादकीय

मतदानः लोकतंत्र की मजबूती का आधार

मतदान लोकतंत्र की नींव है, जो जनता को अपने नेताओं का चयन करने का अधिकार देता है। यह प्रक्रिया नागरिकों को अपनी आवाज उठाने और सरकार की नीतियों पर प्रभाव डालने का महत्वपूर्ण साधन प्रदान करती है। हर वयस्क नागरिक का यह कर्तव्य और अधिकार है कि वह मतदान में हिस्सा लेकर अपने मत का प्रयोग करे। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, मतदान की प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न केवल विभिन्न समुदायों और क्षेत्रों की प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है, बल्कि इससे सरकार की जवाबदेही भी बढ़ती है। हर वोट कीमती है और प्रत्येक वोटर का यह कर्तव्य है कि वह अपने विवेक का प्रयोग करते हुए सही उम्मीदवार का चयन करें। मतदान से नागरिक न केवल अपनी पसंद के नेता चुनते हैं, बल्कि वे अपनी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति में सुधार के लिए भी प्रयासरत रहते हैं। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि सभी वर्गों और समुदायों की आवाज सुनी जाए और उन्हें उचित प्रतिनिधित्व मिले। इस प्रकार, मतदान लोकतंत्र की आत्मा है। इसके बिना लोकतंत्र की कल्पना करना असंभव है। इसलिए, हर नागरिक को चाहिए कि वह मतदान के महत्व को समझे और अपने इस अधिकार का सही उपयोग करें, ताकि देश में एक सशक्त और जवाबदेह सरकार का गठन हो सके।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिकृत कार्यालय

502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिर्पोटर) कार्यालय 8436 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव द्वि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9793956044, 9935224867
फोन नं. 0532-2418040

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ?
इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

RailTel posts total Income of Rs 852 Crore in Q4 of FY 23-24



Source/RailTel- RailTel announced its Operating Income of Rs. 833 Crore in Q4 of FY' 23-24 registering a sequential growth of 25% QoQ in its 146th Board Meeting held on 02nd May 2024.The Company has posted a total income of Rs 852 Cr in Q4 of FY 24. The Company posted Rs 102 Crore Profit Before Tax (PBT) in Q4 of FY'24 as against Rs. 84 crores in previous quarter, registering a 21% QoQ growth. The Company has posted Profit After Tax (PAT) of Rs 78 Cr in Q4 of FY 24 as against Rs. 62 Crore in previous quarter registering a QoQ growth of 26%. For the year ended on 31/03/2024, the company achieved a total Income of Rs 2622 crores and total PAT of Rs. 246 crores registering a growth of 31% in turnover and profits , as compared to last year . Talking about the results, Shri Sanjai Kumar, Chairman and Managing Director of RailTel said, "Operationally the Company has been performing consistently with an impressive growth of 25% on QoQ basis in its operating Revenue. For Financial year 2023-24 also the growth in Revenue and PAT has been quite encouraging at 31%. With healthy order book, the company has visibility of substantial growth in operating Income in coming quarters".

DELHI METRO CELEBRATES 30TH FOUNDATION DAY



This year's winners are:

- *Metro Woman of the Year: Ms. Priti Kumari, Senior Station Manager.*
- *Metro Man of the Year: Shri Md. Abdussueb Ahamad, Head Traffic Controller.*
- *Best Metro Station: Botanical Garden Metro Station.*
- *Best Metro Depot: Shastri Park Depot.*
- *Rajbhasha Puruskar: Shri Gopesh Kumar Verma, Senior Station Manager.*

Source/DMRC- The Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) celebrated its 30th Foundation Day at Bharat Mandapam, New Delhi. The celebration was graced by esteemed dignitaries, including Sh. Anurag Jain, Secretary of the Ministry of Road Transport & Highways, Ministry of Housing and Urban Affairs and Chairman of DMRC, Sh. Naresh Kumar, Chief Secretary of the Government of NCT of Delhi, Paramvir Chakra Honorary Captain Yogendra Singh Yadav and Dr. Vikas Kumar, the Managing Director of DMRC.

Additionally the prestigious Annual Awards were presented to recognize outstanding contributions & dedication. Additionally, the Metro Woman and Man of the Year, Best Station and Best Depot awards were also given away.

Adding a touch of entertainment to the celebration, renowned singer Kavita Krishnamurti Subramaniam and acclaimed standup Comedian/ Actor Sunil Grover took the stage for an evening filled with laughter and melody.

The 30th Foundation Day Celebration was a momentous occasion to reflect on past achievements, envision the future, & celebrate the collective efforts of all those involved in the journey of DMRC.

आईआरईडीए ने ''आईआरईडीए ग्लोबल ग्रीन एनर्जी फाइनेंस आईएफएससी लिमिटेड'' को गिफ्ट सिटी, गुजरात में शामिल किया



सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (आईआरईडीए) ने गुजरात के गिफ्ट सिटी में स्थित अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) में एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी शामिल की है। ''आईआरईडीए ग्लोबल ग्रीन एनर्जी फाइनेंस आईएफएससी लिमिटेड'' नाम की सहायक कंपनी को आधिकारिक तौर पर 7 मई, 2024 को शामिल किया गया था। इससे पहले, 8 फरवरी, 2024 को भारतीय रिजर्व बैंक ने आईएफएससी गिफ्ट सिटी में वित्त कंपनी स्थापित करने के लिए अपना अनापत्ति पत्र दिया था।

इस पर बात करते हुए, आईआरईडीए के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री प्रदीप कुमार दास ने कहा कि गिफ्ट सिटी में आईआरईडीए की उपस्थिति हरित वित्तपोषण के नवीन दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के उसके मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतीक है। ''यह सहायक कंपनी न केवल आईआरईडीए को अपनी वैश्विक पहुंच बढ़ाने की स्थिति प्रदान करती है, बल्कि भारत सरकार के महत्वाकांक्षी 'पंचामृत' लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिस्पर्धी फंडिंग हासिल करने के लिए एक ऑफशोर मंच के रूप में भी कार्य करती है।''

Jindal Stainless Supplies High-Strength Stainless Steel for Indian Railways' First Vande Metro Train



Source/RSB- Boosting intercity travel services in India, the Indian Railways has unveiled its first Vande Metro train from the Integral Coach Factory (ICF) in Chennai. Jindal Stainless, the country's largest stainless steel manufacturer, has supplied the highstrength 201 LN grade stainless steel for this prestigious project. The Vande Metro, a shorter distance version of the Vande Bharat Express, marks a significant innovation in railway technology. The use of 201LN stainless steel allows for external panels of the trainsets to be reduced from 3 mm to 2 mm in thickness, making the trains lighter, more energy efficient, & more costeffective. This grade of stainless steel is also highly corrosionresistant, offering greater strength, superior durability, & better crash resistant properties, ensuring best-in-class passenger safety. Commenting on this development, Mr. Abhyuday Jindal, Managing Director of Jindal Stainless, said, *"We are glad to be a part of the modernisation of India's railway infrastructure. It's a privilege to support Indian Railways' transition to 201LN stainless steel. The lightweight and energy-efficient car body will reduce the carbon footprint of the Indian Railways, aiding in its Net Zero target. We are confident that Vande Metro trains will offer a world-class experience to passengers and are happy to partner with IR on this initiative."*

CMD/CONCOR Explores Eco-Friendly Cold Chain Logistics Solutions with Japanese Industry Leaders



Source/RSB- Shri Sanjay Swarup, CMD of Container Corporation of India Ltd (CONCOR), engaged with leading figures in Japan's Cold Chain Logistics sector to assess the viability of seamless & environmentally sustainable logistics solutions for perishable goods utilizing ICE Battery Technology. During his visit, Shri Swarup toured the R&D facility of M/s Innovation Thru Energy Co. Ltd (ITE) and the medical distribution center of Alfresa Corporation. Discussions were held with industry luminaries including Shri Pankaj Garg, Founder & CEO of ITE, Mr. Masanori Nagaya, Director of Operations at ITE, Mr. Yusuke Fukujin, President of Alfresa Corporation, and Ms. Naoko Yoshioka, Managing Director of Fintech Global Inc. CONCOR serves as ITE's Strategic Business Partner in India for implementing ICE Battery Cold Chain Logistics across dedicated freight corridors & domestic train & land transportation routes. Presently, CONCOR operates 13 specialized containers equipped with this sustainable technology, spearheading the transition to green logistics. The adoption of Ice-Battery technology significantly improves cold chain logistics, maintaining temperatures of 2-8°C for up to 72 hours without external power, crucial for transporting vegetables, fruits, medicines, & milk. With approximately 25% of India's vegetables & fruits lost due to inadequate storage & transportation facilities, the utilization of this technology promises to curtail wastage significantly.